सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, गुरुवार, 20 मार्च, 2025
वर्षः 02, अंकः 83, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

जुदा हुईं युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा की राहें » Pg12

इनसाइड झांसी हाइवे पर कदम-कदम पर नाच रही 'मौत'... » Pg09

औरंगजेब और गाजी का नाम लिए बिना दहाड़े सीएम

आक्रांता का महिमामंडन मतलब देशद्रोहः योगी

कहा- स्वतंत्र भारत को ऐसा कोई देशद्रोही स्वीकार नहीं जो देश के महापुरुषों को अपमानित करता हो

बहराइच तहसील मिहींपुरवा के मुख्य भवन का उद्घाटन

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बहराइच। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने औरंगजेब और सैयद सालार मसूद गाजी का नाम लिए बगैर जोरदार हमला बोला है। बहराइच आए योगी ने कहा- जब भारत की संस्कृति और परंपरा का गुणगान पूरी दुनिया कर रही है तब किसी आक्रांता का महिमामंडन नहीं होना चाहिए। आक्रांता की महिमा मंडन का मतलब देशद्रोह की नींव को पुख्ता करना। स्वतंत्र भारत किसी देशद्रोही को स्वीकार नहीं कर सकता जो भारत के महापुरुषों को अपमानित करता हो। उन आक्रांताओं का महिमामंडन करता हो जिन्होंने भारत की सनातन संस्कृति को रौंदने का काम किया था। हमारी आस्था पर प्रहार किया था। उसे आज का नया भारत कतई स्वीकार नहीं कर सकता।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम पूरे गौरव के साथ विरासत को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं, हमारा गौरव विरासत से जुड़ता है, विरासत विकास से जुड़ती है। एक तरफ एक देश एक भारत की परिकल्पना साकार हो रही है। इन स्थितियों में किसी भी आक्रांता का महिमामंडन नहीं करना चाहिए। योगी ने कहा कि जो लोग भारत के महापुरुषों को अपमानित करते हों, उन आक्रांताओं का महिमा मंडन करते हों जिन्होंने भारत की सनातन संस्कृति को रौंदने का कार्य किया था, बेटियों की इज्जत पर हाथ डालने और हमारी आस्था पर प्रहार किया था, उसे आज का यह नया भारत स्वीकार करने को कतई तैयार नहीं है।

महाराजा सुहेलदेव ने भारत की विजय पताका को फहराया था

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहराइच भारत की ऋषि परंपरा से जुड़ा हुआ जनपद है। कहते हैं महर्षि बालार्क का एक विश्व प्रसिद्ध आश्रम इसी बहराइच में था। बहराइच की पहचान और नाम उन्हीं बालार्क ऋषि के नाम पर था। यह बहराइच वही ऐतिहासिक भूमि है जहां पर एक विदेशी आक्रांता को धूल धूषरित करते हुए महाराजा सुहेलदेव ने भारत की विजय पताका को फहराया था। महाराज सुहेलदेव ने विदेशी आक्रांताओं के खिलाफ जिस शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया उसी की परिणिति थी कि 150 वर्षों तक कोई विदेशी आक्रांता भारत पर हमला करने की दुस्साहस नहीं कर पाया था। इस पावन धरा बहराइच को उसकी पहचान से वंचित करने का प्रयास हुआ था। पिछली सरकारें घोषणा करती थीं, लेकिन कार्य नहीं हो पाते थे।

एक घंटे में लखनऊ से बहराइच का होगा सफर

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी ने बहराइच में मिहीपुरवा तहसील का उद्घाटन किया। साथ ही नवनिर्मित तहसील भवन का शुभारंभ किया। उन्होंने जिले में नए बाईपास को स्वीकृत देते हुए विकास पर जोर दिया। योगी ने कहा कि जल्द ही महाराजा सुहेलदेव के स्मारक का उद्घाटन भी होगा। हमें इन वीरों के शौर्य को नहीं भूलना चाहिए। योगी ने नया बाईपास बनने से जंगल और महाराज सुहेलदेव आने वाले पर्यटन लखनऊ से एक घंटे में बहराइच पहुंच जाएंगे।

33 लाख लंबित मामलों का किया निपटारा

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार प्रदेश में आई उस समय 33 लाख से अधिक ऐसे राजस्व वाद थे जो लंबित पड़े थे। पिछली सरकारों के निकम्मेपन के कारण यह केंद्र बेमानी और भ्रष्टाचार का अड्डा बन गए थे। हम लोगों ने समय सीमा तय की कि अगर वाद लंबित है तो जवाबदेही तय होगी। इसी का परिणाम है कि हम लोगों ने 33 लाख मामलों का निस्तारण करके गरीब को न्याय दिलाने का काम किया है।

दुग्गुबाती, देवरकोंडा सहित 25 सेलेब्स के खिलाफ एफआईआर

सट्टेबाजी एप के प्रचार का आरोप

» हैदराबाद, एजेंसी।

तेलंगाना पुलिस ने राणा दुग्गुबाती, प्रकाश राज, विजय देवरकोंडा और मंचू लक्ष्मी सहित करीब 25 मशहूर हस्तियों और प्रभावशाली लोगों के खिलाफ एफआई आर दर्ज की है। इन पर कथित तौर पर अवैध सट्टेबाजी एप को बढ़ावा देने के आरोप है। तेलगांना पुलिस ने जिन लोगों पर एफआईआर दर्ज की है उनमें छह टॉलीवुड सितारे शामिल हैं।

व्यवसायी की याचिका के आधार पर हुआ मामला दर्ज

एफआईआर मियापुर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। कहा जा रहा है कि 32 वर्षीय व्यवसायी फणींद्र शर्मा ने याचिका दायर की थी, इसके आधार पर हैदराबाद के मियापुर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज हुई है। एफआईआर के अनुसार, राणा दुग्गुबाती, मंचू लक्ष्मी, निधि अग्रवाल, विजय देवरकोंडा और प्रणिता और अन्य 18 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स सट्टेबाजी एप्स को बढ़ावा दे रहे हैं। इससे पहले करीब हफ्तेभर पहले ही, पंजागुट्टा पुलिस ने कथित तौर पर सट्टेबाजी एप को बढ़ावा देने के आरोप में इमरान खान, हर्ष साई, टेस्टी तेजा, किरण गौड़, विष्णु प्रिया, श्यामला, रितु चौधरी, बंडारू शेषयानी सुप्रिता, अजय, सनी और सुधीर सहित 11 फिल्मी हस्तियों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के खिलाफ केस दर्ज किए थे।

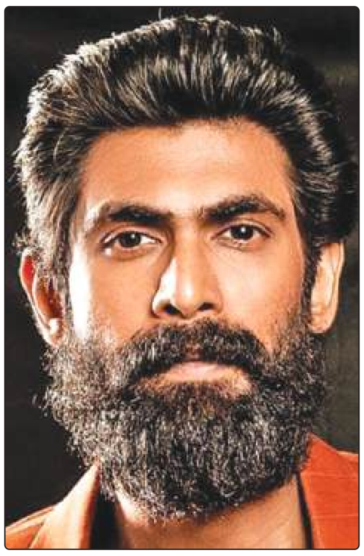

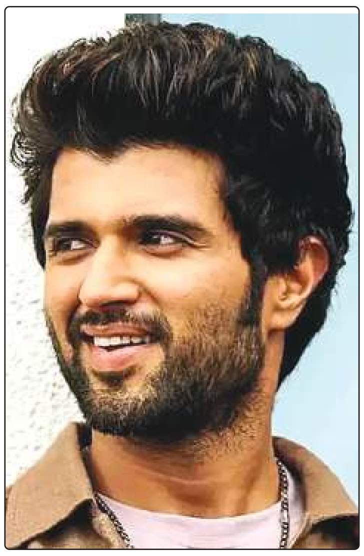

पुलिस के मुताबिक, ये अवैध सट्टेबाजी एप प्लेटफॉर्म कानूनों और नियमों का सीधा उल्लंघन कर रहे हैं। विशेष रूप से 1867 के सार्वजनिक जुआ अधिनियम का उल्लंघम हो रहा है। इसके चलते लोगों में कम समय में जोखिम भरे तरीके से पैसा कमाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिला है और इस तरह का व्यवहार समाज को नुकसान पहुंचाता है। इससे वित्तीय संकट पैदा होता है।

गंगा मेला : होरियारों की फौज , डीएम ने फहराया तिरंगा, शहरवासियों को दी बधाई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के ऐतिहासिक हटिया गंगा मेला में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने रज्जन बाबू पार्क में तिरंगा झंडा फहराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा- अनुराधा नक्षत्र में मनाए जाने वाले ऐतिहासिक गंगा मेला कानपुर की सांस्कृतिक विरासत और जिंदा दिली का प्रतीक है, और इसका हिस्सा बनना सौभाग्य की बात है। किसी जिलाधिकारी ने ही 1942 में होली रूकवाई थी, जिलाधिकारी ही इसे खिलवाते रहे हैं ऐसी परंपरा रही है, होली की जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।कानपुर में गंगा मेला के अवसर पर होली खेली जा रही है। हटिया बाजार के रज्जन बाबू पार्क से मेले की शुरुआत हुई। इस मौके पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने तिरंगा फहराया। इसके बाद पार्क से ऊंट, भैंसा ठेले और ट्रैक्टर पर सवार होकर हुरियारे निकले और जमकर होली खेली।

गंगाघाट पुल की होगी मरम्मत, लिया जाएगा मेगा ब्लाक

इतने दिनों तक बंद रहेगा कानपुर-लखनऊ रेलमाग...

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर-लखनऊ रेलमार्ग पर गंगाघाट पुल (शुक्लागंज) की मरम्मत के लिए 20 मार्च से 30 अप्रैल तक मेगा ब्लाक लिया जाएगा और रेलमार्ग बंद रहेगा। पीजीआई, हाईकोर्ट व नौकरीपेशा लोगों के लिए सिर्फ चार ट्रेनें ही पास होंगी। जिसमें दो ही वापस आएंगी। सेंट्रल से लखनऊ रूट पर प्रतिदिन चलने वाली 100 ट्रेनों में कुछ को निरस्त तो कई का रूट बदला गया है। लखनऊ पीजीआई, हाईकोर्ट व नौकरीपेशा लोगों का ध्यान रखते हुए मेगा ब्लाक के दौरान चार ट्रेनें सेंट्रल से लखनऊ जाएंगी। इनमें दिल्ली से लखनऊ जाने वाली 12004 स्वर्ण शताब्दी, 22426 व 22425 अयोध्या वंदेभारत और 15205 व 15206 चित्रकूट एक्सप्रेस सुबह एवं शाम चलेंगी। चित्रकूट सुबह साढ़े सात बजे, वंदेभारत 11 बजे और 11.20 बजे स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस कानपुर सेंट्रल से गंगाघाट पुल होकर जाएगी। स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस को छोड़ बाकी दोनों ट्रेन लखनऊ से वापस सेंट्रल भी आएंगी। जबकि स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस वाया मुरादाबाद होते हुए नई दिल्ली पहुंचेगी।

32 ट्रेनें हो चुकी हैं निरस्त

रेल प्रशासन ने पहले ही इस रूट पर चलने वाली छपरा-फर्रुखाबाद सहित 32 ट्रेनों को निरस्त किया है। वहीं 48 ट्रेनों का रूट बदला गया है। ऐसे में कुछ ट्रेनों को फतेहपुर के रास्ते प्रयागराज तक और वहां से गंतव्य को चलाया जाएगा। वहीं कुछ ट्रेनों को लखनऊ से मुरादाबाद रूटों पर डायवर्ट किया गया है।

60 साल बाद बदलेगा गंगा पुल का बेसमेंट

रेलवे अधिकारियों के अनुसार पुल पर नए एच बीम पैनल स्लीपर बिछाए जाएंगे। पुरानी लोहे की चादरों को बदला जाएगा। क्योंकि रेलवे ब्रिज का बेसमेंट जर्जर हो रहा है। कुछ दिन पहले पुराना पुल ढह गया था। जिसे ध्यान में रखते एहतियातन रेल प्रशासन ने ट्रैक के बेसमेंट को बदलने व मरम्मत कराने का फैसला लिया है। इस कारण मेगा ब्लाक लिया जाएगा।

मारपीट करने वाले युवकों की तलाश में पुलिस ने की छापेमारी

» सैकड़ो पुलिस कर्मियों के साथ पीड़ित के घर पहुँचे एसीपी बिल्हौर ने सुरक्षा का अहसास कराया

» परिजनों से बातचीत कर हर एंगल से जाँच की

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। **बिल्हौर कस्बे में मारपीट के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने वीडियो में मारपीट करते दिख रहे युवकों की तलाश में बुधवार को देर रात तक उनके घर समेत कई ठिकानो पर छापेमारी की।**

सैड़को पुलिस कर्मियों के साथ एसीपी बिल्हौर अमरनाथ व कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने कोतवाली से पैदल गश्त करते हुए कस्बे के किदवई नगर स्थित पीड़ित परिजन के घर पहुँचे।

एसीपी व कोतवाल ने परिजनों से बातचीत कर घटनाक्रम समझा और मामले की हर एंगल से जाँच कर मारपीट करने वालों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने का

भरोसा दिलाया। इसके बाद पुलिस फ़ोर्स ने मारपीट करने वालों के घर एवं उनके ठिकानों पर तलाश में छापेमारी की। लेकिन मारपीट करने वाले युवक फरार है । एसीपी बिल्हौर अमरनाथ का साफ़ शब्दो में कहना है कि शांति व्यवस्था को बिगाड़ने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।उन्होंने बताया कि पीड़ित परिजनों से मुलाक़ात कर उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया एवं सुरक्षा का एहसास कराया है। पीड़ित से तहरीर मांगी है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा

यह है पूरा मामला

मंगलवार को एक दैनिक समाचार पत्र के विज्ञापन प्रतिनिधि मुस्ताक अहमद के घर पर मंगलवार को कस्बे के ही कुछ युवकों ने चढ़ाई कर दी।और उनके बेटे के साथ मारपीट की।मारपीट के दो अलग-अलग वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। वायरल वीडियो में युवक बुरी तरह मारपीट करते हुए मां -बहन की भद्दी-भद्दी गालियां दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो की आपका अपना स्वराज इंडिया अख़बार पुष्टि नहीं करता है।

मारपीट करने वाले चर्चित दलाल के करीब

बिल्हौर। बेरहमी से मारपीट करने वाले युवक कस्बे में चर्चित दलाल के नाम से चर्चित युवक के करीबी बताये जा रहे हैं। सूत्रों की मानें तो इस दलाल की कुछ पुलिस कर्मियों के साथ उठा बैठक भी है।कस्बे में कुछ लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह दलाल लोगों पर रूआब भी झाड़ता है। मामले में पुलिस अगर दलाल से पूछताछ करती है तो मारपीट करने वाले युवको का पता असानी से लग सकता है।

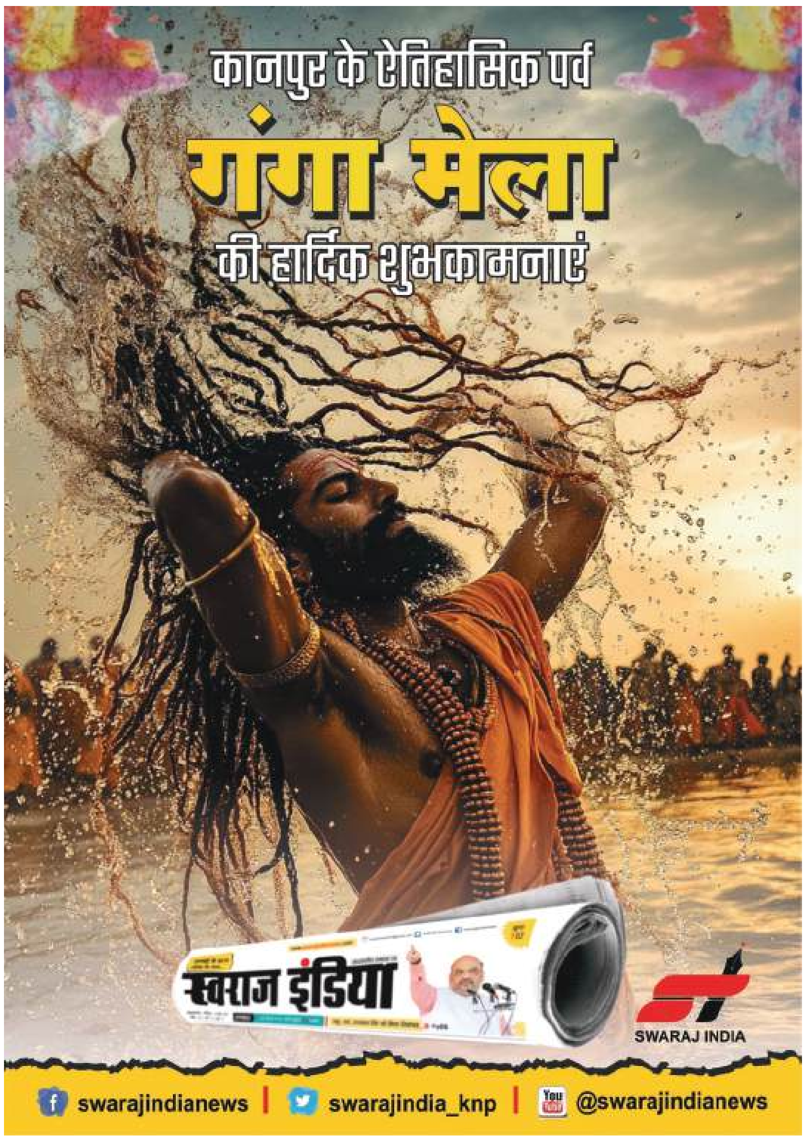

23 मार्च को शहर में आएंगे सीएम

» बिठूर महोत्सव में होंगे शामिल, विकास कार्यों पर करेंगे चर्चा

» उत्तर जिले में पदाधिकारियों के बैठने के दिन तय

स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 23 मार्च को बिठूर महोत्सव में आएंगे। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों के साथ समग्र विकास पर चर्चा भी करेंगे। जूही खलवा पुल, रिंग रोड व यातायात सुधार, गंगा रिवर फ्रंट जैसी योजनाओं पर बात होगी।विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने बिठूर महोत्सव के समापन पर मुख्यमंत्री को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। उनके आने का कार्यक्रम तय हो गया है, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने बताया कि मुख्यमंत्री से मुलाकात की। उनके कानपुर आने को लेकर 22 मार्च को होने वाली अपनी समग्र विकास की बैठक रद करते हुए 23 मार्च को मुख्यमंत्री से विकास पर बात करने का अनुरोध किया। इस पर उन्होंने सहमति जताई। पिछली बार भी सीएम शहर आए थे तो उन्होंने गंगा रिवर फ्रंट, जूही खलवा पुल पर फ्लाईओवर, जलनिकासी, रिंग रोड के काम, यातायात सुधार पर चर्चा की थी। इस बार वह इन कामों की प्रगति जानेंगे।

साथ ही जनप्रतिनिधियों से विकास कार्यो को लेकर चर्चा करेंगे।

भाजपा कानपुर उत्तर के जिला कार्यालय परेड पर जिला पदाधिकारियों के बैठने के दिन तय कर दिये गये हैं। जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने पदाधिकारियों को अलग-अलग दिन आवंटित किये। पदाधिकारी अपने आवंटित दिन में विशेष रूप से जिला कार्यालय पर उपस्थित रहेंगे। जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने बताया जिले के पदाधिकारियों को अपने आवंटित दिन में दोपहर 1 बजे से 5 तक उपस्थित रह कर आम जनता और कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुनना होगा और संबंधित विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर के समस्याओं का निराकरण करवाना होगा। जिला मॉनिटरिंग टीम की संयोजक सुनीता गौड़ और जिला कार्यालय मंत्री रोहित साहू प्रत्येक दिन कार्यालय में रहेंगे।

विश्व गौरैया दिवस पर ऑनलाइन क्विज़ आयोजित

» आईसीटी की पाठशाला द्वारा विश्व गौरैया दिवस पर ऑनलाइन क्विज एवं शपथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाया जाता है, लोग किसी न किसी रूप में इसे मनाते है और समाज को जागरूक करने का प्रयास भी करते हैं। जनपद के स्टेट आईसीटी अवॉर्डी शिक्षक एवं संस्थापक आईसीटी की पाठशाला शेखर यादव द्वारा अनूठी पहल करते हुए गौरैया संरक्षण अभियान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए एक ऑनलाइन क्विज़ एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने ऑनलाइन क्विज़ में हिस्सा लिया, जिसमें गौरैया के महत्व, उनकी घटती संख्या के कारणों और संरक्षण के उपायों से जुड़े प्रश्न पूछे गए। इस क्विज़ के माध्यम से प्रतिभागियों को न केवल गौरैया के बारे में नई जानकारियाँ मिलीं, बल्कि उन्होंने इसके संरक्षण हेतु ऑनलाइन शपथ भी लिया।कार्यक्रम के आयोजक शेखर यादव ने बताया कि ऑनलाइन क्विज़ में उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों से कुल 2600 से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया, जिसमें 900 से अधिक बच्चे शामिल हैं।

मुख्य अतिथि के रूप जुड़ें निरीक्षक, संस्कृत पाठशालाएं उप्र प्रयागराज पीईएस पवन कुमार श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों को अपने हस्ताक्षरयुक्त ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए और आईसीटी की पाठशाला के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम गौरैया संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, समाज को जागरूक करने लिए ऐसे प्रयास होते रहने चाहिए। कार्यक्रम में सहयोगी के रूप में विनीत श्रीवास्तव रायबरेली, राखी अग्रवाल संभल, विपिन त्रिपाठी फतेहपुर, दीपा रानी सहारनपुर, अनुपम चौधरी सीतापुर मुख्य रूप से रहे ।

सम्पादकीय

भारतीय प्रतिभाओं के सपनों को संबल

आखिरकार नासा की बहुचर्चित अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स अपने सहयोगी बुच विलमोर के साथ सकुशल पृथ्वी पर आ ही गई। अमेरिका ही नहीं भारत में करोड़ों लोग उनकी फिक्र कर रहे थे। दरअसल, आठ दिन के मिशन के लिये बीते साल 6 जून को स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट के जरिये वे अमेरिका के स्पेस स्टेशन पहुंचे थे, लेकिन स्पेसक्राफ्ट में तकनीकी खामी आने के कारण उनकी वापसी नौ महीने तक टलती रही। जिसको लेकर भारत व अमेरिका समेत पूरी दुनिया में चिंता व्यक्त की जाती रही है। देर आए दुरुस्त आए, इस देरी से सुनीता दुनिया में सबसे अधिक समय तक अंतरिक्ष में रहने वाली महिला का रिकॉर्ड बना चुकी हैं। कुल 286 दिन स्पेस में रहने के दौरान सुनीता ने नौ सौ घंटे का शोधकार्य किया और डेढ़ सौ वैज्ञानिक प्रयोग किए। नासा ने विश्वास जताया है कि इस लंबे अनुभव का लाभ अमेरिका के इस दशक के अंत तक मंगल पर मनुष्य को उतारने के अभियान में मिलेगा। आमतौर पर यात्रियों के अंतरिक्ष में रुकने का समय अधिकतम छह माह होता है, लेकिन जब सुनीता को नौ महीने तक रुकना पड़ा है तो चिंता उनके शरीर में पड़ने वाले दुष्प्रभावों को लेकर होती रही है। आशंका है कि अधिक समय तक अंतरिक्ष में रहने से उनके शरीर पर काफी प्रतिकूल असर पड़ा होगा। जिसको सामान्य होने में काफी समय लग सकता है। दरअसल, अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण के न होने से भारहीनता की स्थिति पैदा होती है, जो शरीर की सामान्य प्रक्रिया पर प्रतिकूल असर डालती है। इस भारहीनता की स्थिति में हड्डियों व मांसपेशियों को कमजोर होने से बचाने के लिये करीब प्रतिदिन चार घंटे का व्यायाम करना पड़ता है। इस दौरान जहां खून का प्रवाह भी बाधित होता है, वहीं भारहीनता में मांसपेशियां व हड्डियां शिथिल हो जाती हैं, साथ ही रेडिएशन का भी खतरा बढ़ जाता है। यहां तक कि आंखों पर भी बुरा असर पड़ता है। जिसके चलते सुनीता व उनके सहयात्री को गहन चिकित्सा देखरेख में रखा जा रहा है।

दरअसल, भारत में सुनीता विलियम्स को लेकर जो अनुराग व चिंता दिखी, उसकी वजह उनका भारत व भारतीय संस्कारों से जुड़ा रहना ही है। अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा के दौरान वे अंतरिक्ष में गीता-उपनिषद् व समोसे लेकर गई थीं। वे भारतीय खाने की मुरीद रही हैं। बहरहाल, उन्हें विश्वास था कि वे भविष्य में इतिहास रचेंगी। वर्ष 2012 में दिल्ली के नेशनल साइंस सेंटर में छात्रों से उन्होंने कहा भी था कि रिकॉर्ड टूटने के लिये ही बनते हैं। संयोग देखिए कि अपनी तीसरी अंतरिक्ष यात्रा में वे सबसे लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने वाली पहली महिला बन गई हैं। भले ही सुनीता का जन्म अमेरिका के ओहायो प्रांत में हुआ हो लेकिन वे गुजरात के मेहसाणा स्थित पैतृक गांव झूलासन का दो बार दौरा कर चुकी हैं। अहमदाबाद से डॉक्टरी की पढ़ाई करके अमेरिका बसने वाले पिता दीपक पंड्या उनकी प्रेरणा रहे हैं। उनकी मां के कैथोलिक धर्म अनुयायी होने के बावजूद पिता ने उन्हें भगवद्गीता आदि पौराणिक ग्रंथों से परिचित कराया। ह्यूस्टन स्थित जॉनसन स्पेस सेंटर ने उन्हें अंतरिक्ष में जाने का सपना दिखाया। हालांकि, नासा ने उनके पहले आवेदन को खारिज कर दिया था। उन्होंने अंतरिक्ष यात्रा के सपने को पूरा करने के लिए नासा में आवेदन किया, लेकिन नासा ने पहली बार में इसे स्वीकार नहीं किया। फिर उन्होंने अंतरिक्ष में जाने के लिए ही 1995 में इंजीनियरिंग प्रबंधन में मास्टर डिग्री हासिल की। दुबारा नासा ने उनके आवेदन को स्वीकार कर लिया।

क्षेत्रीय मुद्दों के समाधान को हो संवाद की पहल

गुरबचन जगत

दक्षिण भारत के कई मुद्दे आजकल खबरों में हैं। विवाद की हालिया वजह 2026 में अपेक्षित लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन है। दरअसल, दक्षिणी राज्यों को डर है कि परिसीमन के बाद देश की संसद में उनका प्रतिनिधित्व व प्रभुत्व कम हो जायेगा। दक्षिण समेत देश के सभी राज्यों की जायज मांगों को संबोधित के लिए केंद्र सरकार के आला प्रतिनिधियों को राज्यों से खुलकर बातचीत करने की जरूरत है।इस सदी के पहले डेढ़ दशक के दौरान मुझे दक्षिण और उत्तर-पूर्वी भारत का व्यापक दौरा करने का अवसर मिला था। इससे पहले,जम्मू-कश्मीर में उथल-पुथल भरे कुछ वर्षों के दौरान वहां रहने का भी मौका मिला था और बेशक पंजाब तो मेरा गृह राज्य है ही और यही वह सूबा है जहां पर 1966 में बतौर आईपीएस मेरी सेवाएं शुरू हुई थीं। यह इस महान राष्ट्र में मेरे दायरे की विहंगम दृश्यावली है और अकसर मैं इसकी विशालता पर विस्मित हुआ करता हूं। लगभग पांच दशकों की सरकारी सेवा के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में दौरा-निरीक्षण, लोगों से हुआ मेल-जोल 'विविधता में एकता' के पुराने सिद्धांत को समृद्ध परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है।

हमारे पूर्वजों की बुद्धिमत्ता और संविधान के अनुच्छेद 15 में अंतर्निहित सिद्धांत की बदौलत हमारे राष्ट्र को मिले संतुलन का मैं गवाह हूं। पुलिस में अपने कार्यकाल के दौरान मैंने यह उस तबाही को भी देखा है जो निहित स्वार्थों द्वारा पुरानी विभाजन रेखाओं को उभारने से बन सकती है। इन दिनों राष्ट्रीय मीडिया पर दक्षिण भारत की हलचल की खबरें खूब छाई हुई हैं और राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक गलियारों में भी यह गर्मागर्म बहस का विषय है। इस विवाद की हालिया वजह 2026 में होने वाली नई जनगणना के आधार पर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों का अपेक्षित परिसीमन है। अन्य कारकों में समान नागरिक संहिता, नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन, हिंदी थोपने की आशंका, संघीय ढांचे को कथित रूप से कमजोर करना और केंद्र सरकार से राज्यों को अपर्याप्त धन का प्रवाह है।दक्षिणी राज्यों को लगता है, और शायद यह सही भी है, समग्र विकास सूचकांकों में वे मध्य और उत्तर भारत के राज्यों की तुलना में कहीं अधिक आगे हैं, विशेष रूप से आईटी क्षेत्र, विनिर्माण, फार्मास्यूटिकल्स, मानव संसाधन विकास, उच्च तकनीकी और स्कूली शिक्षा में। उनकी एक बड़ी संख्या अनिवासी भारतीयों की भी है, जो विदेशों से राष्ट्रीय कोष में अरबों डॉलर जोड़ते हैं। दक्षिण भारत का समुद्री मार्ग से खाड़ी एवं अन्य देशों के साथ व्यापार का समृद्ध इतिहास रहा है, जो उन्हें व्यापार और विस्तारित परिवारों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपस में काफी जोड़कर रखता है। आज बंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई अग्रणी ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर्स हैं, और उन्हें अपने यहां बड़ी संख्या में कामगार प्रवासी समुदाय और सफेदपोश नौकरियां मुहैया करवाने पर गर्व है। उन्हें डर यह है कि आगामी परिसीमन उनके राजनीतिक और वित्तीय भविष्य की जड़ों को काट देगा। शिक्षा ने दक्षिण भारत को परिवार नियोजन के लाभों से जागरूक किया और उन्होंने आबादी नियंत्रण में काफी सफलता भी प्राप्त की है।यदि परिसीमन की वर्तमान प्रक्रिया को अंजाम दे दिया जाता है तो संसद में वहां से आने वाली कुल सीटों का प्रतिशत घट जाएगा और इसके मुख्य लाभार्थी यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र होंगे। इन दिनों इस विषय पर खुलकर कहा जा रहा, लेकिन जब मैं दक्षिण भारत में कुछ बैठकों में भाग लेने जाता था तब नौकरशाही के स्तर पर इस मामले पर बात दबी आवाज़ में की जाती थी। उनका डर यह था कि शिक्षा, नियंत्रित जनसंख्या, बेहतर संस्थागत और शैक्षिक बुनियादी ढांचा और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में अधिक योगदान के बावजूद, संख्या के आधार से वे कभी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थिति में नहीं रह पाएंगे। यह बात बिना लाग-लपेट कही जाती थी, बाकी आप पर छोड़ दिया जाता था कि अपने निष्कर्ष खुद निकालें। केन्द्र के साथ खुले संवाद के अभाव में, धीरे-धीरे राजनेता सार्वजनिक मंचों पर आकर अब वह सब कहने लगे हैं, जो पहले अनकहा रहा। उन्हें परिसीमन नहीं चाहिए, वे समान नागरिक संहिता नहीं चाहते, वे नहीं चाहते कि हिन्दी उनपर थोपी जाए, बल्कि वे केंद्र से ज्यादा धन और राष्ट्रीय राजनीतिक मंच पर अधिक हैसियत चाहते हैं।

दादी-नानी की गोद से विश्व मंच तक कहानियां

विश्व किस्सागोई दिवस

प्रो. आरके जैन

कथाएं अतीत को जीवंत करती हैं, नैतिकता की ज्योति प्रज्वलित करती हैं और भविष्य के लिए प्रेरणा का आलोक फैलाती हैं। आयोजन केवल कला का प्रदर्शन नहीं, बल्कि मानव रचनात्मकता और वैश्विक सामंजस्य का एक प्रदीप्त प्रतीक है।जब शब्द नृत्य करते हैं, भावनाएं जागती हैं, और समय की धारा में एक जादुई चित्र उभरता है–तब जन्म लेती है एक कहानी। हर साल 20 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व किस्सागोई दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि उस अनमोल परंपरा का उत्सव है।

कहानियां सिर्फ शब्दों का संग्रह नहीं होतीं, वे समय की नदी में बहती जादुई लहरें हैं, जो सुनने वाले को एक अनदेखे सफर पर ले जाती हैं और कहने वाले के मन को अभिव्यक्ति का आकाश देती हैं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हमारा वजूद, हमारी पहचान और हमारा इतिहास–सब कुछ कहानियों के रंगीन धागों से बुना गया है। चाहे वह दादी-नानी की गोद में सुनी लोककथाएं हों, किताबों में दर्ज ऐतिहासिक गाथाएं हों, हर कथा जीवन को समझने की नई दृष्टि देती है।

विश्व किस्सागोई दिवस एक ऐसा अनुपम उत्सव है, जो कहानियों के अलौकिक आकर्षण को केंद्र में लाता है और मानव सभ्यता की अनमोल विरासत को संजोते हुए सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बनता है। इसकी नींव 1991 में स्वीडन में पड़ी, जब इसे 'राष्ट्रीय किस्सागोई दिवस' के रूप में मनाया गया; कालांतर में 2001 में यह 'विश्व किस्सागोई दिवस' के रूप में वैश्विक मंच पर स्थापित हो गया। यह दिन मौखिक

कथाओं और लोकसाहित्य की असीम शक्ति का उत्सव है, जहां हर साल एक नई थीम–2025 में 'गहरा पानी'– कथाकारों को प्रेरित करती है। इस थीम के अंतर्गत वे संकट की घड़ियों, जल के रहस्यमय संसार या सागर की अथाह गहराइयों से कथाएं गढ़ते हैं।कहानी कहना मानवता की सबसे पुरानी कला है। जब हमारे पूर्वज गुफाओं में आग के चारों ओर बैठते थे, तब भी वे अपने अनुभवों को कहानियों में ढालते थे। उन कहानियों ने न केवल उनका मनोरंजन किया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को जीवन के सबक, नैतिकता और साहस की प्रेरणा दी। आज एक मां अपने बच्चे को सोते वक्त जो कहानी सुनाती है, वह सिर्फ नींद लाने का जरिया नहीं होती–वह उसके कोमल मन में सपनों के बीज बोती है। एक लेखक जो अपनी किताब में समाज की सच्चाई उकेरता है, वह पाठक के विचारों को झकझोर देता है। कहानी केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि एक दर्पण है जो हमें हमारा अतीत दिखाता है, एक खिड़की है जो भविष्य की झलक देती है, और एक पुल है जो हमें एक-दूसरे से जोड़ता है।

डिजिटल युग ने कहानियों को नए पंख दिए हैं। पहले जो किस्से गांव के चबूतरे पर या अलाव की गर्माहट में सुनाए जाते थे, वे आज पॉडकास्ट की आवाज, वेब सीरीज़ के दृश्यों और सोशल मीडिया के छोटे-छोटे वीडियो में जीवंत हो उठे हैं। टेक्नोलॉजी ने कहानी कहने के तरीके को बदला है, लेकिन उसकी आत्मा को नहीं छुआ।

आज भी एक अच्छी कहानी सुनते ही हमारा मन उसमें खो जाता है, हमारी आंखों के सामने चित्र उभरने लगते हैं, और हमारा दिल भावनाओं की लहरों में डूब जाता है। कहानी की वह ताकत अब भी बरकरार है जो हमें हंसाती है, रुलाती है, और सोचने पर मजबूर करती है।

इतिहास गवाह है कि कहानियों ने समाज को बदलने में अहम भूमिका निभाई है। महाभारत और रामायण जैसी पौराणिक कथाएं हमें धर्म और कर्म का पाठ पढ़ाती हैं, तो मुंशी प्रेमचंद की कहानियां हमें गरीबी और अन्याय की कड़वी सच्चाई से रूबरू कराती हैं। भगत सिंह की डायरी के पन्ने और गांधी जी की आत्मकथा हमें आजादी के संघर्ष की कहानी सुनाते हैं, जो आज भी युवाओं में जोश भर देती हैं। एक कहानी नायक को जन्म दे सकती है, एक क्रांति को प्रज्वलित कर सकती है और एक समाज को नई दिशा दे सकती है। जब मार्टिन

मच्छरों को दें विदाई, बनाएं प्राकृतिक दवाई!

घर पर केमिकल फ्री मच्छर भगाने वाला स्प्रे बनाने के लिए किन सामग्रियों की जरूरत होती है?

सेहत की बात

मच्छरों को खट्टे फल और लौंग की गंध से नफरत है, क्योंकि यह मनुष्यों को पहचानने की उनकी क्षमता को प्रभावित करता है। इसलिए आप नींबू और लौंग की मदद से स्प्रे बनाकर उसका इस्तेमाल करें। चूंकि ये बजट फ्रेंडली और केमिकल फ्री हैं, इसलिए आप बेफिक्र होकर इन स्प्रे का इस्तेमाल कर सकती हैं।

मच्छर यकीनन काफी परेशान करने वाले हो सकते हैं। ऐसे में इनसे छुटकारा पाने के लिए हम सभी मार्केट से केमिकल बेस्ड रिपेलेंट्स लाकर उनका इस्तेमाल करते हैं। इनसे आप मच्छरों को भले ही घर से दूर कर लें, लेकिन वास्तव में केमिकल्स आपकी सेहत को काफी नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो खुद घर पर ही कुछ इंग्रीडिएंट्स की मदद से केमिकल फ्री स्प्रे बना सकती हैं। चूंकि ये बजट फ्रेंडली और केमिकल फ्री हैं, इसलिए आप बेफिक्र होकर इन स्प्रे का इस्तेमाल कर सकती हैं।

इन स्प्रे को आप बेहद ही सिंपल इंग्रीडिएंट्स जैसे नींबू, लौंग, नीम का तेल, लहसुन आदि की मदद से बना सकते हैं। इन स्प्रे को बनाना बेहद ही आसान हैं और इसमें बस कुछ ही मिनट लगते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको घर पर ही मच्छरों को भगाने वाले केमिकल फ्री स्प्रे को बनाने के तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

बाजार के हानिकारक केमिकल रिपेलेंट्स को कहें अलविदा! अब घर पर बनाएं प्राकृतिक, बजट फ्रेंडली और केमिकल-फ्री स्प्रे, जो मच्छरों को दूर भगाने में मदद करेगा और आपकी सेहत को सुरक्षित रखेगा!

नींबू और लौंग का स्प्रे

मच्छरों को खट्टे फल और लौंग की गंध से नफरत है, क्योंकि यह मनुष्यों को पहचानने की उनकी क्षमता को प्रभावित करता है। इसलिए आप नींबू और लौंग की मदद से स्प्रे बनाकर उसका इस्तेमाल करें। आवश्यक सामग्री-1 नींबू,10-12 लौंग, 1 कप पानी, एक स्प्रे बोतल, इसे कैसे बनाएं-

1 कप पानी उबालें और उसमें लौंग डालें। उन्हें 10 मिनट तक उबलने दें। गर्मी से निकालें और मिश्रण को ठंडा होने दें। इसमें नींबू का रस निचो?ं और अच्छी तरह से हिलाएं। इसे एक स्प्रे बोतल में डालें और इसे खि?कियों, दरवाजों और यहाँ तक कि अपनी त्वचा पर भी इस्तेमाल करें। लहसुन से बनाएं स्प्रे लहसुन में सल्फर यौगिक होते हैं जो मच्छरों को बिल्कुल पसंद नहीं होते। आप लहसुन की मदद से स्प्रे बनाकर मच्छरों को अपने घर से दूर रखें।

आवश्यक सामग्री

4-5 लहसुन की कलियां, 1 कप पानी एक स्प्रे बोतल, इसे कैसे बनाएं

लहसुन की कलियां पीसकर 1 कप पानी में 5 मिनट तक उबालें।

इसे ठंडा होने दें और पानी को छान लें।

इसे स्प्रे बोतल में डालें और दरवा?ें, खि?कियों और मच्छरों वाली जगहों पर स्प्रे करें।

यूट्यूब ग्रोथ के 5 मंत्र, बनाएंगे आपको सुपरस्टार!

अगर आप चाहते हैं कि आपके सब्सक्राइबर्स आपके चैनल से जुड़े रहें, तो आपको नियमित रूप से वीडियो अपलोड करने की आदत डालनी होगी। हफ्ते में कम से कम 2-3 वीडियो जरूर डालें और एक तय शेड्यूल बनाएं, जिससे ऑडियंस को पता रहे कि कब नया कंटेंट आने वाला है।

आज के डिजिटल युग में यूट्यूब कंटेंट क्रिएशन एक शानदार करियर ऑप्शन बन चुका है। लेकिन हर यूट्यूबर का सपना होता है कि उसका चैनल तेजी से ग्रो करे और ज्यादा यूट्यूब पर सफल होने के लिए सबसे जरूरी है कि आपका कंटेंट यूनिक, इनफॉर्मेटिव और एंगेजिंग हो।

अगर आप वही पुरानी चीजें दोहराएंगे, दर्शकों की दिलचस्पी खत्म हो सकती है। कोशिश करें कि आपके वीडियो दर्शकों के लिए उपयोगी हों और उनमें कुछ नया सीखने या एंटरटेनमेंट का बेहतरीन अनुभव मिले।, वीडियो की क्वालिटी पर भी ध्यान दें

कंसिस्टेंसी बनाए रखें

अगर आप चाहते हैं कि आपके सब्सक्राइबर्स आपके चैनल से जुड़े रहें, तो आपको नियमित रूप से वीडियो अपलोड करने की आदत डालनी होगी। हफ्ते में कम से कम 2-3 वीडियो जरूर डालें और एक तय शेड्यूल बनाएं, जिससे ऑडियंस को पता रहे कि कब नया कंटेंट आने वाला है। इससे आपकी व्यूअरशिप और एंगेजमेंट बढ़ेगी, जिससे यूट्यूब का एल्गोरिदम भी आपके चैनल को प्रमोट करेगा।स्श्वह्र ऑप्टिमाइजेशन करें सिर्फ अच्छा कंटेंट बनाने से ही वीडियो हिट नहीं होते, बल्कि उन्हें सही तरह से प्रमोट करना भी जरूरी है। वीडियो का टाइटल आकर्षक और स्श्वह्र फ्रेंडली बनाएं। - डिस्क्रिप्शन में जरूरी कीवर्ड्स का सही तरीके से उपयोग करें। - थंबनेल ऐसा बनाएं जो आकर्षक तो हो लेकिन क्लिकबैट-फ्री हो। सही करने से आपका वीडियो यूट्यूब सर्च रिजल्ट में ऊपर आ सकता है, जिससे ज्यादा व्यूज़ मिलते हैं।

ऑडियंस के साथ इंटरेक्शन बढ़ाएं

सफल यूट्यूब चैनल वही होते हैं, जो दर्शकों से जुड़ाव बनाए रखते हैं। अपने वीडियो के कमेंट्स का रिप्लाई दें और दर्शकों के सवालों के जवाब दें। से फीडबैक मांगें और उनके सुझावों के अनुसार अपने कंटेंट में सुधार करें। आपकी ऑडियंस आपके चैनल के प्रति और ज्यादा लॉयल होगी। सोशल मीडिया और प्रमोशन का सही इस्तेमाल करें सिर्फ यूट्यूब पर वीडियो अपलोड करने से ही व्यूज़ नहीं आते, आपको अपने कंटेंट को प्रमोट भी करना होगा। वीडियो को आदि पर शेयर करें। शॉर्ट्स और इंस्टाग्राम रील्स के जरिए अपने चैनल को प्रमोट करें। अन्य यूट्यूब क्रिएटर्स के साथ करके नई ऑडियंस तक पहुंचें। यूट्यूब चैनल को हिट कराने के लिए सिर्फ वीडियो बनाना ही काफी नहीं है।

सफेद बालों की टेंशन, ये नुस्खा देगा परफेक्शन...

सफेद बालों से छुटकारा पाएं, इस आसान नुस्खे को अपनाएं!

कई बार शरीर में जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी होने पर भी सफेद बालों की समस्या को नहीं रोका जा सकता है। इसके अलावा आप चाहें तो सफेद बालों की समस्या को कम करने के लिए आप कुछ देसी नुस्खे भी आजमा सकती हैं।

उम्र बढ़ने के साथ ही बालों का सफेद होना नेचुरल है। लेकिन कई बार समय से पहले बाल सफेद होने लगते हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। धूप में बहुत अधिक रहना, स्ट्रेस, पॉल्युशन, शरीर में न्यूट्रिशन की कमी, कुछ हेल्थ कंडीशन्स की वजह से भी बाल समय से पहले सफेद होने लगते हैं। हालांकि हेयर कलर करके सफेद बालों को छिपाया जा सकता है, लेकिन यह इसका सही उपाय नहीं हैं। ऐसे में आपको सफेद बालों को छिपाने की बजाय इन्हें कम करने पर ध्यान देना चाहिए। सफेद बालों को कम करने के लिए आपको अपनी डाइट में हेल्दी बदलाव करना चाहिए।

क्योंकि कई बार शरीर में जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी होने पर भी सफेद बालों की समस्या को नहीं रोका जा सकता है। इसके अलावा आप चाहें तो सफेद बालों की समस्या को कम करने के लिए आप कुछ देसी नुस्खे भी आजमा सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ एक ऐसा देसी नुस्खा शेयर करने जा रहे हैं, जिसके इस्तेमाल से न सिर्फ सफेद बाल कम होंगे, बल्कि इससे हेयरफॉल की समस्या भी काफी हद तक कम होगी।

बालों की जड़ों में लगाएं यह पेस्टसबसे पहले मुट्ठी भर करी पत्ते लेकर उनको साफ पानी से धो लें। फिर इनको पीस लें और दही के साथ मिलाकर स्मूद पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को अपने स्कैल्प पर अप्लाई करें। इसको लगाने के बाद करीब 30 मिनट तक ऐसे ही रहने दें और फिर साफ पानी से बालों को धो लें।

आजमाएं ये देसी नुस्खा

बता दें कि करीपत्ता मेलेनिन के प्रोडक्शन को बढ़ावा देता है और यह बालों को काला करने का काम करता है। करीपत्ता बालों को समय से पहले सफेद होने से रोकता है, बालों की ग्रोथ बढ़ाने, डैंड्रफ कम करने और बालों को मुलायम और शाइनी बनाने में मदद करता है। करीपत्ता बालों का झड़ना कम करता है और बालों को मजबूती मिलती है। इस पत्ती से स्कैल्प को पोषण मिलता है। करीपत्ते में विटामिन सी, एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन बी और प्रोटीन पाया जाता है। जिससे बालों से जुड़ी दिक्कतें दूर होती हैं। बालों में करीपत्ता का पेस्ट लगाने से और इसको डाइट में शामिल करने से भी बालों को मजबूती मिलती है।

करीपत्ता में एंटी-ऑक्सीडेंट पाया जाता है, जोकि बालों के पोर्स को मजबूती देता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है और बाल समय से पहले सफेद नहीं होते हैं।

वरासत के 261 मामले लंबित, जिलाधिकारी ने 15 लेखपालों पर की कार्रवाई

जारी किया गया है कारण बताओ नोटिस

261 मामले लंबित मिले, इनमें लेखपालों ने कोई कार्रवाई तक नहीं की थी। जबकि मृत्यु के बाद 15 दिन में निर्विवाद उत्तराधिकार का नाम दर्ज कराना और वारिश को खतौनी की एक कॉपी निशुल्क देना है। लेखपालों की लापरवाही पर कार्रवाई की गई है।

कानपुर जिलाधिकारी

कानपुर। निर्विवाद उत्तराधिकार वरासत का जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने 23 अधिकारियों से सत्यापन कराया तो चारों तहसीलों में नतीजे बेहद खराब आए। छह माह से लेखपालों ने वरासत में कोई काम ही नहीं किया। कुल 454 मामलों में 261 ऐसे मिले, जिनमें लेखपालों ने कार्रवाई ही नहीं की। जिलाधिकारी ने बिल्हौर, सदर व नर्वल तहसील के 11 लेखपालों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही, घाटमपुर के तीन लेखपालों पर प्रतिकूल प्रविष्टि की संस्तुति की है। वहीं नर्वल के एक लेखपाल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

जिलाधिकारी ने मंगलवार को सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक मे निर्विवाद उत्तराधिकार वरासत के लंबित मामलों पर जिम्मेदारों को अनुशासनात्मक व दंडात्मक कर्रवाई से आगाह किया था। बुधवार को जिले की चारों तहसीलों में उत्तराधिकार वरासत के कैंप लगे। बिल्हौर, नर्वल, घाटमपुर और सदर तहसील के नामित एडीएम, सभी एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदारों ने वरासत के मामलों का खुली बैठक में सत्यापन किया तो लंबित मामलों के आंकड़े चौकाने वाले आए। बिल्हौर तहसील के खेरवा में अकेले 39 मामले वरासत के लंबित मिले। 33 लंबित मामलों के साथ सदर तहसील का दूल क्षेत्र दूसरे नंबर पर रहा। बिल्हौर के अहमदपुर नदिहा में 19 व रायपुर नदिहा में 15 लंबित मामले सामने आए। सबसे खराब हालत बिल्हौर तहसील क्षेत्र की रही। जिलाधिकारी ने एक दिन पहले ही समीक्षा बैठक में कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी और शाम पांच बजे तक खुली बैठक की रिपोर्ट मांगी थी। वरासत के लंबित मामलों पर जिलाधिकारी ने संबंधित 15 लेखपालों के खिलाफ कार्रवाई की है।

पीएमश्री स्कूल के वार्षिकोत्सव में बच्चों ने दी आकर्षक प्रस्तुति

» पीएमश्री कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय भदेसा में वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरवनखेड़ा विकासखंड के पीएमश्री कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय भदेसा में वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मंगलवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के आदेश के अनुपालन में पीएमश्री कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय भदेसा सरवनखेड़ा के परिसर में वार्षिकोत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि अविनाश सिंह चौहान (सदस्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश) उपस्थित हुए। कार्यक्रम में अन्य विशिष्ट अतिथियों में अजय कुमार गुप्ता (एसआरजी), संजय कुमार शुक्ल (एआरपी), विनोद शर्मा नोडल संकुल, धर्मेन्द्र सिंह (ब्लॉक अध्यक्ष), अभिषेक शुक्ला स्पेशल एजुकेटर (दिव्यांग), गुलाब सिंह पूर्व प्रधान सरवनखेड़ा, लाला सिंह पूर्व प्रधान उपस्थित रहे।

बच्चों ने गायन, नृत्य, नाटक और अन्य कलात्मक प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रधानाध्यापक द्वारा पीएमश्री योजना की जानकारी दी गई उसके बाद विद्यालय में हुए कार्य एवं आगामी योजना से अवगत कराया गया। एसआरजी द्वारा मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए पीएमश्री योजना के अंतर्गत विद्यालय की व्यवस्था एवं कार्यों को बताया गया। छात्र छात्राओं ने अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों, ग्रामवासियों का मन मोह लिया।एसआरजी एवं नोडल शिक्षक गजनेर एवं प्रधानाध्यापक द्वारा पीएमश्री योजना का परिचय एवं विद्यालय के शैक्षिक सत्र 2024-25 की उपलब्धियां बताई गईं। राहुल सिंह ग्राम प्रधान प्रतिनिधि एवं प्रधानाध्यापक द्वारा विद्यालय अवशेष कार्यों को विधायक निधि से पूर्ण करने के लिए मांग पत्र प्रस्तुत किया गया। राम बरन सिंह ने विद्यालय की, शिक्षकों की शिक्षण, व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्था तथा उपलब्धियों को गिनाते हुए भविष्य हेतु मार्गदर्शन देते हुए अतिथियों का स्वागत कर छात्र छात्राओं तथा शिक्षकों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम के अंत मे मुख्य अतिथि ने अपने समय की शिक्षण व्यवस्था और आज की शिक्षण व्यवस्था का वर्णन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की समस्त शिक्षा संबंधित योजनाओं को धरातल पर उतारने को कहा। विद्यालय की व्यवस्था को देखकर संतोष वयक्त किया एवं समस्त छात्र छात्राओं तथा शिक्षकों को आशीर्वाद भी दिया साथ ही ग्रामवासियों को आश्वस्त किया कि विद्यालय के विकास को लेकर शिक्षा के प्रति जो जिज्ञासा प्रधानाध्यापक द्वारा रखी गई है उसे पूर्ण करने का प्रयास करूंगा जिससे माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा पूर्ण हो सके। अंत में उन्होंने नवनिर्मित बालवाटिका का उद्घाटन कर शिक्षकों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की। इस अवसर पर अजय गुप्ता, विनोद शर्मा, संजय शुक्ल, जफर अख्तर, योगेंद्र कुमार, शशि प्रभा सचान, राहुल सिंह राठौर, कमल कुमार, परिधि यादव, अंतरिक्ष मिश्र तथा सैकड़ो शिक्षक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

शराब के नशे में हुआ झगड़ा, जमकर चले लाठी-डंडे, कई घायल, रिपोर्ट

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के अजयपुर गांव में शनिवार की रात को शराब के नशे में दो समुदायों के बीच जमकर लाठी-डंडे चल गए। जिसमें कई लोग घायल हो गए।

पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। अजयपुर गांव के रहने वाले देवेंद्र अग्निहोत्री ने पुलिस को बताया कि शनिवार की रात पड़ोस में रहने वाले अनीश, अमन अली, इस्लाम, सुल्तान, पग्गल व लाखन शराब के नशे में दरवाजे पर आए और गालीगलौज करने लगे। जब पीड़ित ने मना किया तो लाठी-डंडों से मारपीट करने लगे। परिवार के अन्य लोगों के आ जाने पर वह लोग वहां से भाग गए।

वहीं दूसरे पक्ष के राजू ने आरोप लगाया कि शनिवार की रात वह अपने पारिवारीजनों के साथ घर के बाहर आराम कर रहा था। तभी पड़ोस के रहने वाले लोकेंद्र, गुरंटी व लोकेंद्र का साला शराब के नशे में आए और गालीगलौज करने लगे। जब मना किया तो मारपीट करने लगे। ह

ोली त्योहार के चले गांव में तनाव होने की सूचना पर रात में मौके पर एएसपी राजेश पांडेय, सीओ प्रिया सिंह ने पहुंच कर जांच पड़ताल की है। थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया दोनों पक्षों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

झांसी हाइवे पर कदम कदम पर नाच रही 'मौत'

» जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते गड्ढा मुक्त नहीं हुआ हाईवे, जा रहीं जानें लेकिन प्रशासन बना अनजान

» आए दिन हो रही मौतें जिला प्रशासन से लेकर नेशनल हाईवे के अधिकारी बने अनजान

» चौरा से लेकर बारा जोड़ तक कई जगह गड्ढे में तब्दील नेशनल हाईवे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। स्वराज इंडिया की टीम ने चौरा से लगाकर बारा जोड़ तक 30 किमी के नेशनल हाईवे- की स्थितियों का जायजा लिया। जिसमें हाईवे की हालत बेहद खतरनाक सामने आई। हाईवे पर लगभग हर किमी पर गड्ढे है। गड्ढे भी जानलेवा है। जिनमें गिरकर वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इस हाईवे पर महज 30 किमी की दूरी में ही 200 से अधिक गड्ढे हैं जो बारिश का पानी जमा होने पर वाहन चालकों के लिए और भी खतरनाक साबित होते हैं।कानपुर-झांसी हाईवे पर चौरा से लेकर बारा जोड़ तक 30 किलोमीटर दूरी में कई जगहों पर गड्ढे है।

एक तरफ केंद्र सरकार से लगाकर राज्य सरकार लगातार नए नए मार्गों को लेकर अफसर नई नई योजनाएं बन रहे हैं। लेकिन जो जर्जर पड़े हाइवे उनको देखने वाला कोई नहीं। जबकि प्रमुख मार्ग होने के कारण माननीयों के साथ ही अन्य जनपदों के लोगों का आना–जाना लगा रहता है। हालांकि विभागीय उदासीनता के चलते यह बदहाल नेशनल हाईवे के गड्ढे राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है।

शासन की ओर से प्रदेश की सड़कों को गड्?ढामुक्त बनाने का दावा किया जा रहा है। मगर जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते कानपुर–झांसी हाईवे पर गड्?ढों की भरमार है। सबसे ज्यादा कानपुर देहात के जिला प्रशासन की लापरवाह ओर मनमानी चल रही है। झांसी–कानपुर हाईवे पर ओवरलोड मौरंग व गिट्टी भरे डंपरों का बिना रोक टोक के फर्राटा भरते हैं। इनकी नंबर प्लेट भी छिपी रहती है। क्षमता से दोगुना भार लेकर वाहन गुजरने से हाईवे पर चौरा से बारा जोर तक कई स्थानों पर गड्ढे हो गए हैं। क्षेत्रीय लोग कई बार जिम्मेदारों से हाईवे को गड्?ढा मुक्त करवाने की गुहार लगा चुके हैं मगर अनदेखी के चलते हाईवे पर हो रहे हादसों में लोगों की जान जा रही है। सूत्रों के मुताबिक इस विभाग के अफसरों के मिली भगत से ओवर लोड ट्रैक ओर डंफर में निकले जाते हैं।

हाइवे से निकलते ओवर लोड वाहन

वाहन चालकों ने मीडिया को बताया दर्द..

झांसी से कानपुर जा रही बस के ड्राइवर शिवम सिंह ने बताया कि चौरा से बारा जोड़ तक रोड पर जगह-जगह गड्ढे हैं। उनको कोई देखने वाला नहीं है। टोल टैक्स तो पूरा लिया जाता है। लेकिन सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं है। वाहन चालक परेशान हो रहे हैं।

गाड़ियों का हो रहा रोज हजारों का नुकसान

ट्रक ड्राइवर मलासा बलराम सिंह,गजेंद्र सिंह ने बताया कि हाईवे पर जानलेवा गड्ढे हैं। गड्ढों में गाड़ी गिरने से नुकसान हो रहा है। एक्सल टूट जाता है।चौरा से बारा जोड़ तक बहुत गड्ढे हैं। टोल पूरा लिया जाता है। लेकिन सड़क के गड्?ढे नहीं भरे जा रहे हैं। जिससे ड्राइवरों को बहुत परेशानी हो रही है।

गड्ढे में गाड़ी का पहिया जाने पर बिगड़ता है वाहन का बैलेंस

चकरपुर जा रहे ट्रक ड्राइवर बलराम सिंह ने कहा कि हाईवे पर इतने बड़े गड्ढे है कि अचानक गाड़ी का पहिया गड्ढे में गिरता है तो बैलेंस बिगड़ जाता है। जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। कही बार कुछ वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। हाईवे पर पूरे रास्ते में गड्ढों के कारण खराब हुए वाहन खड़े हैं।

रात में बाइक के लिए खतरनाक नेशनल हाईवे

बाइक चालक भोले सिंह मलासा निवासी ने बताया कि हाईवे पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। अचानक से बाइक का पहिया गड्ढे में उतरता है तो साकप खराब हो जाते हैं। लोग दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। रात के समय अंधेरे में हाईवे के गड्ढे और भी खतरनाक हो जाते हैं। लोग दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। रोज बाइक चालक हाईवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी हाईवे की मरम्मत के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं।

मावर की गड्ढे की फाइल फोटो

देवीपुर के पास हाइवे का हाल

बजरी से भर देते हैं गड्ढे.....

हाईवे किनारे दुकान चलाने वाले गोविंद मिश्रा ने कहा कि कल अभी दो लोगों को एक्सीडेंट हुआ है डीग के सामने उसमें गड्ढे के बचने के उसमें पीछे से आ रहे ट्रैक से टक्कर लगने से एक्सीडेंट हो गया था। पिछले दो सालों से हाईवे पर ज्यादा गड्ढे हो रहे हैं। मैं हाईवे किनारे दुकान चलाता हूं। रोज कोई न कोई बाइक चालक गड्?ढों के कारण गिरकर घायल होता है। बारिश होने पर पानी भरने के कारण गड्ढों में ज्यादातर बाइक चालक गिरते हैं। लेकिन जिम्मेदार मरम्मत के नाम पर गड्ढों से निकलने वाली बजरी को वापस गड्ढे में डालकर भर देते हैं।

एक नजर गड्ढे की लिस्ट इस प्रकार ये है हाइवे के सबसे डेंजर प्वाइंट जहां हो रही सबसे ज्याद मौत ......

चौरा के पास ,पिपरी के पास,भोगनीपुर ओवरब्रिज के पास,पुखरायां बाईपास के पास, सोम ढाबा के पास,गड़ाईखेड़ा मोड के पास,छतेनी गांव के सामने ,डीघ गांव के सामने और पुलिया के पास,देवीपुर ओवर ब्रिज के ऊपर, मावर मजार के सामने,लालपुर चौकी के आगे,नवीपुर के पास, आदि गड्ढे हैं।

इस प्रकरण को लेकर नेशनल हाईवे के परियोजना निदेशक से संपर्क करने का दो बार प्रयास किया लेकिन किसी कारण सम्पर्क नहीं हो सका है।

समय से नहीं खुल रहे मलासा विकास खंड के कई स्कूल

» शिक्षक ही कर रहे चालक गिरी का कार्य

» छुट्टी के समय से पहले बंद हो रहे स्कूल खंड शिक्षा अधिकारी बने अनजान

बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी की मनमानी से और अचानक निरीक्षण न होने से बच्चे के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। परिषदीय विद्यालयों के खुलने व बंद होने का कोई समय नहीं है। शिक्षक अपनी मर्जी से स्कूल संचालित कर रहे हैं। बुधवार को स्वराज इंडिया की टीम ने विकास खंड के कई स्कूल का निरीक्षण किया जिससे पता चला कही स्कूल के गेट पर विद्यार्थी मिले कही में 9.30 तक ताला बंद मिला। एक ऐसा ही मामला सामने आया है।

सुबह नौ बजकर 35मिनट तक कई स्कूलों का विद्यालय का ताला नहीं खुला था। बच्चे व उनके अभिभावक स्कूल के गेट पर खड़े होकर शिक्षकों का इंतजार कर रहे थे। उनका कहना था कि रोजाना स्कूल देर से खुलता है। विभागीय अधिकारी भी इसके प्रति गंभीर नहीं है। परिषदीय विद्यालयों में बहुत सी अनियमिताएं हैं। किसी स्कूल में गंदगी रहती है तो किसी स्कूल में बच्चों से मिड-डे-मील के बर्तन धुलवाए जाते हैं। खास बात तो यह है कि अधिकतर स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता शून्य के बराबर है। यही कारण है कि अभिभावक बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाने पर मजबूर हैं। शिक्षकों की लापरवाही के कारण स्कूल न तो समय से खुलते हैं और समय से पहले बंद हो जाते है। । मलासा ब्लाक के विद्यालय कभी नहीं समय से खुलते हैं। वही टीम ने कई स्कूल की चाभी बच्चे के हाथ में भी देखा। इस बारे में अभिभावकों से बात की गई तो उन्होंने रोजाना ही स्कूल समय से नहीं खुलने का आरोप लगाया।

बीएसए अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

मंगलपुर में नाबालिग लड़की का यौन शोषण, मामला दर्ज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक नाबालिग लड़की के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता के पिता की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पीड़िता के पिता ने बताया कि 14 मार्च की दोपहर करीब 1 बजे उनकी नाबालिग बेटी खेतों में शौच के लिए गई थी।

तभी पड़ोसी गांव के एक युवक ने उनकी बेटी को तमंचा दिखाकर मारपीट की और उसके साथ यौन शोषण किया। जब उनकी बेटी काफी देर तक घर नहीं लौटी, तो उन्होंने उसकी तलाश शुरू की। शाम करीब 5 बजे वह खेत में बेहोश पड़ी मिली। होश में आने पर पीड़िता ने अपने परिवार को बताया कि आरोपी ने उसकी आपत्तिजनक वीडियो भी बनाई है और शिकायत करने पर उसे वायरल करने की धमकी दी है।

पीड़िता ने यह भी बताया कि आरोपी के दो साथी भी उसे शिकायत करने पर धमकी दे रहे हैं। मंगलपुर थाना प्रभारी संजय गुप्ता ने बताया कि पीड़िता के पिता की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पीड़िता की मेडिकल जांच कराई गई है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा का आश्वासन दिया है।

इस घटना से गांव में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने और उन्हें कड़ी सजा देने की मांग की है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और पुलिस की जांच में सहयोग करें।

मिल्कीपुर में चुनाव जीतने के बाद शुरू हो गया दलितों का उत्पीड़न

» लेखपाल ने बुलडोजर लगाकर उजाड़ दिया दलित का आशियाना

» महिला को पुलिस ने पकड़ कर घसीटा, बच्चों के खाने में डाली मिट्टी

» मिल्कीपुर की पुलिस और तहसील प्रशासन हुआ बेलगाम

» घटना के 48 घंटा बीतने के बाद भी नहीं हुई जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई

» प्रदेश सरकार को बदनाम कर रहा तहसील प्रशासन व पुलिस विभाग

घटना को लेकर सक्रिय हुई सपा

समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि मिल्कीपुर में दलितों का उत्पीड़न कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम मौके पर जाकर जानकारी करेंगे। इस मामले को विधानसभा में भी उठाएंगे।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। क्या समय आ गया जिंन गरीब दलितों को बसाने के लिए योगी सरकार ने गांव में अनुसूचित जाति वर्ग की आबादी आरक्षित की, अब उसी आबादी पर आबाद होने से रोका जा रहा है। आखिर अनुसूचित जाति के लोग या फिर गांव से निकल कर जाए तो कहाँ जाए? प्रताड़ना की सारी हदें पार कर चुका यह मामला मिल्कीपुर तहसील के पाराखान ग्राम सभा के कुर्मी का पुरवा का है। गांव की आबादी में गायत्री पत्नी हनुमान ने अपना घर बना रखा था। जिसे लेखपाल मनोज चौरसिया ने बुलडोजर लगवा कर गिरवा दिया।

पूरी कार्रवाई में पुलिस चौकी कंदईकला की पुलिस मौजूद रही। घर गिराने की कार्रवाई ऐसे की गई जैसे किसी माफिया का सरकारी भूमि से कब्जा हटवाया गया हो। बर्बरता के की गई इस कार्रवाई में दलित महिला लेखपाल के पैर पकड़ कर रोती रही किन्तु निर्दयी लेखपाल का दिल उस गरीब के आंसुओं को देखकर जरा सा भी नहीं पसीजा। पुलिस उसे घसीटती हुई दूर खींच ले गई। यही नहीं पुलिस ने उस खाने में भी मिट्टी डाल दी जिसे गायत्री ने अपने बच्चों की भूख मिटाने के लिए बनाया था। बच्चे भूंख से तड़पते रहे। मान अपना आशियाना जमीदोज होते देखती रही। रोते रोते उसके आंसू सूख गए किन्तु गायत्री को सहारा देने वाला वहां कोई नहीं था। बेचारी गायत्री बुधवार को राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रियंका मौर्य के सामने गिड़गिड़ायी। उन्होंने डीएम को कार्रवाई के लिए कहा। डीएम ने उसी एसडीएम मिल्कीपुर राजीव रत्न सिंह को जांच सौंप दी जिसके इशारे पर इस क्रूरता भरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। अब एसडीएम साहब अपनी गलती को छुपाने के लिए अवैध कब्जा हटाने की बात कहते घूम रहे हैं। मिल्कीपुर क्षेत्र में जहाँ हाल ही में दलित मतों के लिए पूरी सरकार घर घर वोट मांग रही थी आज उसी मिल्कीपुर में हरिजनों के साथ हो रहे सरकारी अफसरशाही को आखिर शासन प्रशासन क्यों नहीं देख रहा है।

इस घटना ने तहसील प्रशासन की पूरी कार्रवाई को कटघरे में खड़ा कर दिया है। बड़ा सवाल यह कि क्या एसडीएम ने अवैध निर्माण को गिराने के लिए कोई आदेश पारित किया था। तहसील प्रशासन के नुमाइंदे दबंग लेखपाल ने कितनी बार गायत्री को अवैध कब्जा हटाने के लिए नोटिस दी थी। यदि गायत्री की ओर सेअवैध कब्जा नहीं हटाया जा रहा था तो उसके खिलाफ जुर्माने की भी कार्रवाई की जा सकती थी। सबसे अहम बात तो यह कि उस भूमि से सम्बन्धित मुकदमा सिविल कोर्ट में विचाराधीन है। गायत्री ने मौके पर न्यायालय के कागजात भी दिखाए थे, तो ऐसे में न्यायालय के आदेश की अवमानना करने का अधिकार एसडीएम व लेखपाल को किसने दे दिया। अब लेखपाल कहता है मुझे मुकदमें की जानकारी

नहीं जब कि मौके पर बनी वीडीयो व फोटो में गायत्री कोर्ट के कागजात दिखा रही है। स्थानीय लोगों की बातों पर विश्वास किया जाय तो तहसील प्रशासन की पूरी कार्रवाई प्रायोजित है। इसमें ग्राम से लेकर तहसील प्रशासन तक शामिल हैं। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र में हुई दलित उत्पीड़न की घटना के जिम्मेदार लेखपाल व कंदईकला पुलिस चौकी के दरोगा व सिपाहियों पर कार्रवाई होनी चाहिए साथ ही एसडीएम मिल्कीपुर को भी हटाए जाने की मांग उठ रही है। इस घटना से लोगों में आक्रोश भी है। जम्मेदारों के खिलाफ डीएम अयोध्या की ओर से घटना के 48 घंटे बीतने के बाद भी कार्रवाई न किए जाने से भाजपा सरकार के प्रति लोगों में गुस्सा है। लोग यह भी कह रहे दलितों के साथ क्या ऐसे ही जुर्म अब होते रहेंगे।

अयोध्या में बालिका से होटल में दुष्कर्म, केस दर्ज

आरोपी की जांच में जुटी सिटी कोतवाली पुलिस

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। नगर कोतवाली क्षेत्र के नाका इलाके में रहने वाली 12 वर्षीय बालिका को बहला-फुसलाकर बर एक युवक होटल में ले गया और उससे दुष्कर्म किया। आरोपी के चंगुल से छूटकर बालिका घर म पहुंची तो परिजनों को आप बीती सुनाई। पुलिस ने - आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करके उसकी तलाश शुरू की है।

मूलरूप से बस्ती जिले की रहने वाली बालिका की मां ने नगर कोतवाली में दर्ज एफआईआर में बताया कि उनके पति प्राइवेट नौकरी करते हैं। वह लोग नाका क्षेत्र में रहते हैं। बस्ती से बस से आते-जाते उनकी पहचान बस्ती के ही परशुरामपुर निवासी रवि उपाध्याय से हो गई थी। वह बस का परिचालक था और कभी-कभी बस चलाता भी था।मंगलवार सुबह लगभग नौ बजे आरोपी ने उनकी 12 साल की पुत्री को मोबाइल फोन पर मैसेज करके नाका हनुमानगढ़ी के पास बुलाया और उसे बहला-फुसलाकर एक होटल में ले गया। जहां उससे दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां ने बताया कि काफी देर तक उनकी पुत्री वापस नहीं लौटी तो उन लोगों ने खोजबीन शुरू की। इस बीच लगभग 02:30 बजे दोपहर में उनकी पुत्री घर आई और रो-रो कर अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पांडेय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। आरोपी के गिरफ्तारी के लिए टीम लगाई गई है। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है, उसकी तबियत अब सामान्य है।

गोंडाः डबल इंजन की सरकार युवाओं के लिए बना रही रास्ता

ऐसी कार्रवाई होगी कि भ्रष्टाचार करने वालों की पीढ़ियां भुगतेंगीः योगी

ऋण वितरण समारोह

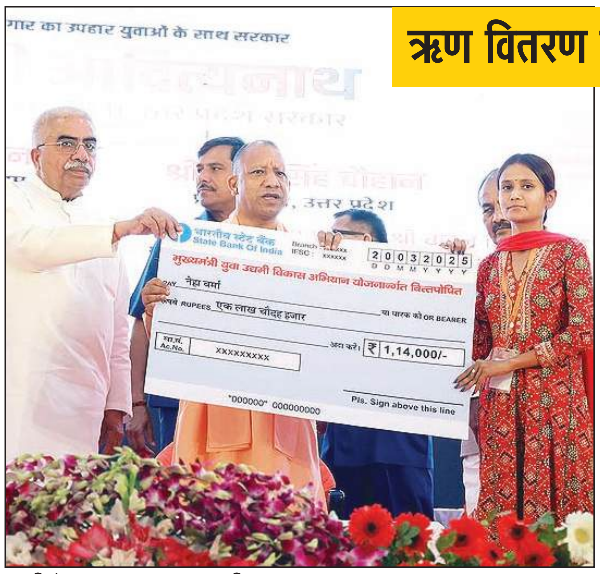

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया।

गोंडा। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की तैयारी में हैं। ऐसी कार्रवाई होगी कि भ्रष्टाचार में लिप्त व्यक्ति अपने परिवार में सरकारी नौकरी करने वाला आखिरी होगा। सीएम योगी जिला मुख्यालय के मेडिकल कॉलेज सभागार में गुरुवार को मुख्यमंत्री युवा उद्यमियों के तहत मंडल के 1423 लाभार्थियों को 55 करोड़ 39 लाख 30 हजार ऋण वितरण के लिए आयोजित समारोह को संबोधित रहे थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने संबोधन में कहा कि 2017 के पहले यूपी देश की 7वीं अर्थव्यवस्था थी। आज हम देश में दूसरे पायदान पर हैं। जल्द ही उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, इसमें स्वरोजगार करने वाले युवा अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि पर्यटन राज्य में विकास का साधन बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी राष्ट्र की ताकत उसके युवा की प्रतिभा, ऊर्जा और अनुशासन है, देश की डबल इंजन की सरकार सदैव युवाओं के साथ है।

»मुख्यमंत्री ने युवा उद्यमियों को वितरित किया ऋण।

महाकुंभ की सफलता का भी किया जिक्र

सीएम योगी ने कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक पूरी दुनिया प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ देश का सांस्कृतिक और धार्मिक संगम देख रही थी। बोले, महाकुंभ को बदनाम करने वाले राज्यों में होली पर हिंसा हुई जबकि यूपी में शांतिपूर्वक त्योहार संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि गोंडा के लिए बाईपास स्वीकृत हुआ है। गोंडा की कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। बीते साल अपने दौरे का जिक्र करते हुए कहा गोंडा से देवीपाटन सड़क मार्ग से 45 मिनट में पहुंचा था। इससे पहले इसमें घंटों समय लगता था।

उन्होंने कहा कि जब मैंने 2017 में पदभार संभाला था तब पुलिस ने कुल दस हजार बेटियां थी। होली के पहले ने प्रदेश में 60 हजार 244 सिपाहियों की भर्ती हुई है। इसमें फोर्स में 12 हजार से ज्यादा बेटियां हैं। सरकारी भर्तियों में अब बेटियों को मौका मिल रहा है। इससे पहले समारोह में पहुंचने पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान और राकेश सचान ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर जिले के जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इसके बाद देवीपाटन मंडल के विकास पर आधारित लघु फिल्म का भी सीएम ने अवलोकन किया।

तीन शातिर बदमाशों को पुलिस ने दबोचा

फर्जी मार्कशीट बनाने वालों का भंडाफोड़

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने फर्जी मार्कशीट सर्टिफिकेट बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुये तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि एक सूचना के आधार पर एसटीएफ ने आज भोर करीब चार बजे पारा क्षेत्र में जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय की बाउड्रीवाल के पास सर्विस लेन पर तीन बदमाशों को धर दबोचा और उनके कब्जे से विभिन्न शिक्षा बोर्ड, यूनिवर्सिटी एवं शैक्षिक संस्थानों की फर्जी मार्कशीट, सर्टिफिकेट एवं अन्य दस्तावेज बरामद किये।

गिरफ्तार अभियुक्त अल्ताफ राजा ने पूछताछ पर बताया कि उनका एक गिरोह है जो विभिन्न प्रकार के फर्जी/कूटरचित दस्तावेज तैयार करता है। वह इसके पहले दिल्ली में डॉ एसपी पाण्डेय के साथ मिलकर फर्जी बेबसाइट बनाकर मार्कशीट बनाने का काम करता था। वर्ष 2017 में थाना गीता कालोनी दिल्ली से डा पाण्डेय के साथ गिरफ्तार होकर जेल गया था।

»शिक्षा बोर्ड, यूनिवर्सिटी की फर्जी मार्कशीट एवं अन्य दस्तावेज भी हुए बरामद।

वर्ष 2019 में वह तथा लक्ष्य राठौर थाना चाणक्य पुरी दिल्ली में अन्य साथियों के साथ इसी मामले में जेल गये थे। जेल सग छूटने के बाद लखनऊ आकर पुनः यही काम करना शुरू कर दिया। फर्जी मार्कशीट व अन्य प्रपत्र बनवाने के लिये 15 से 20 हजार लेता था। जिसे सभी लोग आपस में बांट लेते थे।

सूत्रों ने बताया कि लोगों को फर्जी दस्तावेज कोरियर के माध्यम से भेजता था। लखनऊ में अब तक लगभग दो हजार से अधिक विभिन्न प्रकार के फर्जी दस्तावेज तैयार कर चुका है। अभियुक्त कृष्ण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि वह भी फर्जी मार्कशीट प्रकरणमें 2009 में थाना विकास नगर से जेल जा चुका है।

जुदा हुई युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा की राहें

हो गया तलाक, टूट गए सात फेरों के बंधन

» मुंबई, एजेंसी।

भारतीय टीम के स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा का गुरुवार को आधिकारिक रूप से तलाक हो गया। बांद्रा फैमिली अदालत ने कपल की तलाक अर्जी पर मंजूरी दे दी। उनके वकील ने कहा, तलाक हो गया है और उनकी शादी टूट गई है।

जस्टिस माधव जामदार की सिंगल बेंच ने गुरुवार को तलाक की अर्जी पर मुहर लगाई। इसके एवज में भारतीय क्रिकेटर धनश्री वर्मा को 4.75 करोड़ रुपये बतौर एलिमनी देंगे। खबरों के मुताबिक युजवेंद्र चहल 2.37 करोड़ रुपए पहले ही दे चुके हैं। युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा की शादी दिसंबर 2020 में हुई थी। लेकिन, 4 साल में ही ये रिश्ता टूट गया।

आईपीएल 2025 में पंजाब टीम के लिए खेलेंगे चहल

युजवेंद्र चहल आईपीएल 2025 सीजन में इस बार पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) की ओर से खेलेंगे। टूर्नामेंट का आगाज 22 मार्च को होगा, जबकि पंजाब टीम अपना पहला मैच 25 मार्च को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ खेलेगी। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा की मालिकाना हक वाली पंजाब टीम ने आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में चहल को 18 करोड़ रुपये खरीदा था। चहल इससे पहले आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स, मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए भी खेल चुके हैं।

मलिहाबाद महिला हत्याकांड में सात पुलिसकर्मी निलंबित

पुलिस आयुक्त के कड़े तेवरः पुलिसकर्मियों पर की सख्त कार्रवाई

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मलिहाबाद में मरणासन्न हालत में मिली युवती की मौत के बाद पुलिस आयुक्त अमरेंद्र सेंगर ने सख्त रुख अख्तियार किया। लापरवाही पाए जाने पर प्रभारी निरीक्षक आलमबाग, चौकी प्रभारी आलमबाग बस स्टैंड और रात्रि अधिकारी आलमबाग व बस स्टैंड ड्यूटी पर तैनात दो पुलिसकर्मियों, पीआरवी कमांडर व कांस्टेबल सहित कुल सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच के लिए तीन पुलिस टीमें तैनात की गई है।

गौरतलब है कि 18 मार्च की रात करीब 1.30 बजे अयोध्या जनपद की रहने वाली युवती वाराणसी से इंटरव्यू देकर आलमबाग बस अड्डे पर उतरी थी। जिसके बाद युवती ऑटो रिक्शा पर सवार होकर चिनहट में रहने वाले भाई के घर जा रही थी। युवती मोबाइल फोन के जरिये अपने परिजनों के संपर्क में थी। ऑटो चालक ने उसको गलत रास्ते पर ले जाने का संदेह होने पर अपना लोकेशन परिजनों को भेजी तब उसकी लोकेशन मोहम्मद नगर तालुकेदारी थाना मलिहाबाद दिखा रहा था। अन्तिम लोकेशन मलिहाबाद आने पर परिजनों ने पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना पर दी थी। जिसके आधार पर मलिहाबाद पुलिस टीम ने युवती को मोहम्मद नगर तालुकेदारी के के समीप आम के बाग में अचेत अवस्था में पाया था। उसके बाद पुलिस ने युवती को केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया और जहां इलाज के दौरान युवती ने दम तोड़ दिया। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर युवती की हत्या हुई है। इस मामले में पुलिस आयुक्त अमरेंद्र सेंगर ने लापरवाही बरतने पर आलमबाग प्रभारी निरीक्षक, चौकी प्रभारी आलमबाग, बस स्टैंड, रात्रि अधिकारी आलमबाग, बस स्टैंड ड्यूटी पर तैनात दो पुलिसकर्मी, पीआरवी कमांडर और कांस्टेबल समेत 7 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है।